अगले वर्ष चलिए पूर्वांचल व बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर

कोरोना ने दुनिया-देश को घेरा तो ऐसी आशंकाओं की धुंध भी छाई कि योगी सरकार द्वारा शुरू की गई चार एक्सप्रेसवे परियोजनाओं का क्या होगा? खैर, मुश्किल दौर में सरकार ने कदम बढ़ाए और लॉकडाउन में भी एक्सप्रेसवे निर्माण का काम जारी रखा। उत्तरप्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी **अवनीश कुमार अवस्थी** का दावा है कि 2021 में पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक शुरू हो जाएगा। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे केलिए 2022 का लक्ष्य है तो गंगा एक्सप्रेसवे भी नया टूरिज्म सर्किट बनाता नजर आएगा। राज्य ब्यूरो के वरिष्ठ संवाददाता **जितेंद्र शर्मा** ने उनसे इन योजनाओं पर विस्तृत बातचीत की-

साक्षात्कार

प्रश्न- पूर्वांचल एक्सप्रेसवे शुरू करने के लक्ष्य को कोरोना ने कितना प्रभावित किया?

- कोरोना काल का कोई असर नहीं पड़ा। उस दौर में भी काम चालू रखने का नतीजा है कि कुल 61.45 फीसद काम हो चुका है। सड़क 70 फीसद बन चुकी है। 91 फीसद मिट्टी का काम हो चुका है। मेरा दावा है कि जनवरी-फरवरी 2021 में इस पर यातायात शुरू कर दिया जाएगा। पूर्वांचल के लिए यह एक्सप्रेसवे विकास के नए रास्ते खोलेगा। सुलतानपुर, अंबेडकरनगर, अयोध्या, आजमगढ़, मऊ और गाजीपुर के लिए लखनऊ की दूरी बहुत कम समय की रह जाएगी। फिर पूरा पूर्वांचल वाया आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे, सीधे दिल्ली से जुड़ जाएगा।

प्रश्न- बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से भी पूरे क्षेत्र के विकास की उम्मीद है। इसकी क्या स्थिति है?

- बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे भी क्षेत्र के लिए धार्मिक पर्यटन और औद्योगिक विकास के रास्ते खोलने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इसकी लंबाई करीब दस किलोमीटर बढ़ाकर चित्रकूट तक की जा रही है। इस पर 57 फीसद मिट्टी का काम हो चुका है। प्रति माह पांच फीसद की रफ्तार से प्रगति हो रही है और दिसंबर 2021 तक इसे शुरू कर दिया जाएगा।

प्रश्न- गंगा एक्सप्रेसवे पर तो अभी काम ही शुरू नहीं हुआ। कोई अड़चन है?

- कोशिश है कि मेरठ से प्रयागराज तक बनाए जा रहे गंगा एक्सप्रेसवे को हरिद्वार और काशी से भी जोड़कर टूरिज्म सर्किट पूरा कर दिया जाए। परियोजना की डीपीआर सरकार को सौंप दी गई है। अनुमति मिलते ही भूमि अधिग्रहण का काम शुरू कर दिया जाएगा। वहीं, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर अभी तीन फीसद काम हुआ है, लेकिन उसे भी 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

प्रश्न : बुंदेलखंड और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की बिड कई फीसद नीचे जाने के क्या कारण हैं?

-उत्तरप्रदेश में विकास का जो माहौल बना है, उसमें कंपनियां काम करने के लिए आगे आ रही हैं। उसी का नतीजा है कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की बिड 12.72 फीसद नीचे (आरक्षित मूल्य से कम) गई। इससे सरकार के 1240 करोड़ रुपये बचे। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की निविदा भी पांच फीसद नीचे गई, जिससे करीब 700 करोड़ रुपये की बचत हुई।

परियोजनाएं : एक नजर में

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे

कुल लंबाई- 340.824 किलोमीटर

जिले- लखनऊ के चांदसराय से शुरू, बाराबंकी, अमेठी, अयोध्या, सुलतानपुर, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, मऊ होते हुए गाजीपुर तक। अनुमानित लागत- 22494.66 करोड़ रुपये

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे

कुल लंबाई- 296.07 किलोमीटर

जिले- चित्रकूट से शुरू होकर बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन होते हुए इटावा के कुदरैल में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा। अनुमानित लागत- 14849.09 करोड़ रुपये

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे

कुल लंबाई- 91.352 किलोमीटर

जिले- गोरखपुर बाईपास एनएच-27 स्थित जैतपुर पास से शुरू होकर अंबेडकरनगर, संतकबीरनगर होते हुए आजमगढ़ में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर जुड़ेगा। अनुमानित लागत- 5876.68 करोड़ रुपये।

गंगा एक्सप्रेसवे

कुल लंबाई- अनुमानित 594 किलोमीटर

जिले- मेरठ के गाजियाबाद-मेरठ सेक्शन एनएच-58 से शुरू होकर बुलंदशहर, हापुड़, अमरोहा, सम्भल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ होते हुए प्रयागराज तक।